पाक्षिक

खबर आस पास

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

'जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।'

संपादक :सत्येन्द्र राजवंशी मो. 9587570001 Email : khabaraaspass@gmail.com

वर्ष : 1 अंक : डिजिटल बीकानेर : रविवार 19 जुलाई 2026 पृष्ठ : 4 मूल्य : 1.00 रुपया

देश में जल्द चलेंगे प्लास्टिक-नोट, आरबीआई ने जारी किया टेंडर

रु.10 और रु.20 के नोटों से शुरू होगा ट्रायल, 2027 में फुल-स्केल लॉन्च की उम्मीद

नई दिल्ली एजेन्सी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया जल्द ही देश में प्लास्टिक यानी पॉलीमर से बने नोटों का पहला पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह देश में नए जनरेशन की करेंसी लाने की RBI के प्लान का अगला कदम है।

रु.10 और रु.20 के नोटों से शुरू होगा ट्रायल

रिजर्व बैंक शुरुआती फेज में सबसे पहले छोटी वैल्यू के नोटों पर इसकी टेस्टिंग करेगा। आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पहला पायलट प्रोजेक्ट रु.10 और रु.20 वैल्यू के छोटे नोटों के साथ शुरू होने की उम्मीद है।

इस ट्रायल के नतीजों और अनुभवों के आधार पर ही RBI आगे का फैसला लेगा। अगर यह टेस्टिंग पूरी तरह सफल रही, तो आरबीआई साल 2027 से देश में इन पॉलीमर नोटों का फुल-स्केल लॉन्च शुरू कर सकता है।

नए नोट के साथ पुराने कागजी नोट भी चलेंगे

भारतीय बाजार में पॉलीमर नोटों के आने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि मौजूदा कागजी नोट तुरंत चलन से बाहर हो जाएंगे। RBI ने साफ किया है कि नई करेंसी पुराने पेपर नोटों की जगह नहीं लेगी।

को-एग्जिस्टेंस: बाजार में पॉलीमर और पेपर दोनों ही तरह के नोट एक साथ चलते रहेंगे।

फेज में बदलाव: यह बदलाव धीरे-धीरे और फेज मैनर से किया जाएगा।

सर्कुलेशन जारी रहेगा: जब तक नए नोट पूरी तरह स्थापित नहीं होते, तब तक कागजी नोट सर्कुलेशन में बने रहेंगे।

RBI ने जारी किया ग्लोबल टेंडर

इस पूरे प्रोजेक्ट की तैयारियां तब तेज हो गईं, जब आरबीआई की नोट-प्रिंटिंग यूनिट ने ग्लोबल लेवल पर 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' (EOI) जारी किया। यह टेंडर विशेष प्रकार की 'पॉलीमर सबस्ट्रेट शीट' की मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई के लिए मंगाया गया है, जिसका इस्तेमाल इन नोटों को छापने के लिए किया जाता है।

डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, दुनिया भर के मैन्युफैक्चरर को एडवांस सेफ्टी फीचर्स से लैस पॉलीमर सबस्ट्रेट की सप्लाई के लिए इनवाइट किया गया है। इस टेंडर के तहत बोलियां जमा करने की आखिरी तारीख 18 अगस्त तय की गई है।

भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च कामयाब

स्काईरूट एयरोस्पेस ने खुद बनाकर अंतरिक्ष में भेजा, 2 दोस्तों ने इसरो छोड़कर बनाई थी यह कंपनी

नई दिल्ली एजेन्सी। हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया। यह टेस्ट पहले ही प्रयास में कामयाब रहा। विक्रम-1 को स्काईरूट एयरोस्पेस ने तैयार किया और लॉन्चिंग भी खुद ही की। सिर्फ लॉन्चपैड इसरो का था।

स्काईरूट एयरोस्पेस कंपनी की स्थापना 2018 में दो दोस्तों पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी।

विक्रम-1 को आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश धवन स्पेस सेंटर से दोपहर 12:05 बजे लॉन्च किया गया। स्काईरूट ने 2022 में विक्रम-एस सब-ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च किया था, जो 89.5 द्मद्व की ऊंचाई तक गया था। अब विक्रम-1 450 km की पृथ्वी की सर्कुलर निचली कक्षा तक पहुंच गया है। इसे भारत के स्पेस सेक्टर के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

ऑर्बिटल रॉकेट: जब कोई रॉकेट पृथ्वी के चारों ओर लगातार चक्कर लगाने लायक स्पीड हासिल कर लेता है, तो वह ऑर्बिटल रॉकेट कहलाता है। यह स्पीड लगभग 28,000 किमी/घंटा या 7.8 किमी/सेकंड होती है।

सब-ऑर्बिटल रॉकेट: रॉकेट अंतरिक्ष की सीमा तक जाकर लौट आए, तो उसे सब-ऑर्बिटल रॉकेट कहते हैं। आमतौर पर 100 किमी की ऊंचाई पर अंतरिक्ष की शुरुआत मानी जाती है।

सोने के कलाम, साराभाई और सीवी रमन भी भेजे गए

इस लॉन्चिंग को 'मिशन आगमन' नाम दिया गया। इसके तहत विक्रम-1 रॉकेट अपने साथ टेक्नोलॉजी से लेकर कला से जुड़े पेलोड्स अंतरिक्ष में भेजे गए:

कॉमर्शियल और टेक्नोलॉजी के ये पेलोड्स भेजे गए

ग्रह स्पेस का टेक्नोलॉजी पेलोड।

कॉस्मोसर्व स्पेस का पेलोड।

डीक्यूब्ड का स्पेस रिसर्च से जुड़ा पेलोड।

खुद स्काईरूट एयरोस्पेस का अपना इन-हाउस स्कोप पेलोड।

18 कैरेट सोने से बना आर्ट पीस भी स्पेस में भेजा गया

कॉस्मोस डायमंड्स की कलाकृति 'कॉस्मिक ब्लूम' और एक खास माइक्रो-आर्ट पीस भी रॉकेट में भेजा गया। यह माइक्रो-आर्ट पीस 18 कैरेट सोने से बना छोटा सा रॉकेट है। इस पर वैज्ञानिक सर सीवी रमन, डॉ. विक्रम साराभाई और डॉ. कलाम की सूक्ष्म मूर्तियां उकेरी गई हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा गया एक पोस्टकार्ड भी रॉकेट में भेजा गया, जिस पर 'वंदे मातरम' शब्द अंकित हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- यात्रियों को सेकेंड क्लास कहना गलत

यह शब्द रेलवे कोच के लिए; ट्रेन हादसे के पीड़ित को 10 साल बाद रु.8 लाख मुआवजा

नई दिल्ली एजेन्सी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि किसी यात्री की श्रेणी उसके खर्च से तय नहीं होनी चाहिए। रेलवे के नियमों में इस्तेमाल होने वाले 'सेकेंड क्लास पैसेंजर' शब्द पर आपत्ति जताते हुए कोर्ट ने कहा कि 'सेकेंड क्लास' का संबंध कोच से होना चाहिए, यात्री से नहीं।

कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट और रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल का फैसला पलटते हुए ट्रेन हादसे में जान गंवाने वाले एक व्यक्ति के परिवार को 8 लाख रुपए मुअवाजा देने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि मृत यात्री के पास टिकट नहीं मिलने भर से उसके परिवार को मुआवजे से वंचित नहीं किया जा सकता।

जस्टिस संजय करोल और एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने केंद्र सरकार को चार सप्ताह के भीतर मुअवाजा राशि जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। देरी होने पर दावा दायर करने की तारीख से 8% सालाना ब्याज भी देना होगा।

10 साल पहले ट्रेन से गिरकर हुई थी मौत

मामला नवंबर 2015 का है। मध्य प्रदेश के चंद्रकांत ठक्कर रायपुर से अहमदाबाद जा रहे थे। यात्रा के दौरान वे अहमदाबाद-हावड़ा मेल से गिर गए और उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद उनका बैग भी गायब हो गया, जिसमें टिकट होने की बात कही गई थी।

टिकट बरामद नहीं होने पर रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल और बाद में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने उन्हें बोना फाइड यात्री नहीं माना और मुआवजा देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अब दोनों फैसलों को पलट दिया और मृतक चंद्रकांत ठक्कर की पत्नी लता ठक्कर को मुआवजा देने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट बोला- यात्रियों को भी सतर्क रहना होगा, 3 बड़ी बातें...

- **ट्रेन हादसों की पूरी जिम्मेदारी केवल रेलवे की नहीं:** सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ट्रेन हादसों के लिए पूरी जिम्मेदारी केवल रेलवे पर नहीं डाली जा सकती। यात्रियों को भी अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहना होगा। चलती ट्रेन पकड़ना, दरवाजे पर लटककर सफर करना और अनावश्यक जोखिम उठाना खतरनाक है। कोर्ट ने कहा कि कई बार यात्रियों के सामने व्यावहारिक मजबूरियां होती हैं, लेकिन सुरक्षित यात्रा के लिए यात्रियों को सावधानी बरतनी चाहिए।
- **भीड़भाड़ रोकें, रेलवे स्टाफ बढ़ाए:** कोर्ट ने कहा कि भीड़भाड़ वाली ट्रेनों से गिरने की घटनाएं लगातार हो रही हैं। रेलवे ने सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए नियम बनाए हैं, लेकिन उनका प्रभावी पालन जरूरी है। अदालत ने रेलवे में स्टाफ बढ़ाने का सुझाव भी दिया ताकि यात्रियों की सुरक्षा बेहतर हो और रोजगार के अवसर बढ़ें। कोर्ट ने कहा कि पर्याप्त मानवबल उपलब्ध होने से टिकट जांच, भीड़ नियंत्रण त्वरित सहायता देना भी अधिक प्रभावी हो सकेगा।
- **वैध यात्री का दर्जा खत्म नहीं होता:** सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रेलवे दुर्घटना मुआवजा कानून एक कल्याणकारी कानून है, इसलिए इसकी संकीर्ण नहीं बल्कि उदार व्याख्या होनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ टिकट बरामद नहीं होने से किसी व्यक्ति का वैध यात्री होना समाप्त नहीं हो जाता। दावेदार शपथपत्र और साक्ष्यों के आधार पर अपना प्रारंभिक दावा साबित कर सकता है। इसके बाद दावे को गलत साबित करने की जिम्मेदारी रेलवे की होगी।

दावा- बीएलए ने पाकिस्तान के 45 सैनिकों को मारा:बलूचिस्तान में बस को बम से उड़ाया, बचाव में पहुंची टुकड़ी पर भी हमला

नई दिल्ली एजेन्सी। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) ने दावा किया है कि उसने मस्तंग जिले में पाकिस्तान सेना के एक काफिले पर हमला किया है। इस हमले में 45 से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने की खबर है, जबकि दर्जनों जवान घायल हुए हैं। यह घटना गुरुवार को क्वेटा-कराची हाइवे पर खदकुचा के पास हुई।

पाकिस्तान सेना ने बस काफिले पर हमले की पुष्टि की है, लेकिन हताहत हुए जवानों की संख्या पर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। BLA प्रवक्ता जियांद बलूच ने बयान जारी कर बताया कि इस हमले में काफिले, सुरक्षा टीम और बाद में पहुंची सेना की टुकड़ियों को निशाना बनाया गया। BLA ने इस हमले को 'फतह स्क्वाड' द्वारा अंजाम दिया गया एक सुनियोजित और जबरदस्त हमला बताया है।

आमिर को लॉरेंस गैंग से जान से मारने की धमकी

कहा- तीसरी शादी लव जिहाद, सबक सिखाएंगे; एक्टर ने कहा था- गौरी हिंदू नहीं ईसाई

नई दिल्ली एजेन्सी। एक्टर आमिर खान को तीसरी शादी करने पर अब लॉरेंस गैंग की तरफ से जान से मारने की धमकी मिलने की खबर है। रिपोर्ट के अनुसार गैंग ने आमिर खान की 5 जुलाई को हुई गौरी स्प्रैट से शादी को लव जिहाद बताया है। आज तक की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को लॉरेंस गैंग की तरफ से एक लेटर और ऑडियो नोट जारी किया गया है। लेटर में लिखा है- हमारे देश में आमिर खान जैसे लोग लव जिहाद को बढ़ावा दे रहे हैं, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसका जवाब बहुत जल्द इसको दिया जाएगा। ये चीज हमारे सनातन धर्म में और देश के खिलाफ है। ये जो स्टारडम के नाम पर इस चीज को बढ़ावा दे रहे हैं, इनकी हम सांसें दबा लेंगे।

खबर लिखे जाने तक मुंबई पुलिस की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। आमिर की टीम की तरफ से भी कोई बयान नहीं आया है।

लव जिहाद के आरोप पर आमिर ने सफाई दी थी

तीसरी शादी करने के बाद एक्टर आमिर खान को सोशल मीडिया पर लव जिहाद का ब्रांड एंबेसडर कहा जा रहा है। आमिर ने रेडिफ के साथ बातचीत में इन आरोपों पर आमिर ने कहा- 'मेरी तीनों शादियों में किसी भी पत्नी ने धर्म परिवर्तन नहीं किया, क्योंकि शादियां सिविल मैरिज थीं। तीसरी पत्नी गौरी हिंदू नहीं बल्कि ईसाई हैं।'

राजस्थान में तेज बरसात का अलर्ट, फिर एक्टिव होगा मानसून

अबतक 21 फीसदी कम पानी बरसा, पारा 41 के ऊपर

जयपुर कासं। राजस्थान में मानसून अब भी ब्रेक पर है। शनिवार को 10 जिलों में बारिश की संभावना है, लेकिन तेज बरसात का अलर्ट नहीं है। राज्य में अब तक सामान्य से 21 फीसदी कम बरसात हुई है। मौसम विभाग के अनुसार 21 जुलाई से मानसून एक्टिविटी फिर से शुरू हो सकती है। इस दिन 20 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट है। वहीं, बीते 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश डूंगरपुर, कोटा और अलवर में हुई है। हालांकि, गर्मी-उमस का दौर जारी है। श्रीगंगानगर सहित 4 जिलों में अब भी दिन का तापमान 40 डिग्री के ऊपर है।

जस्टिस सूर्यकांत बोले- चंडीगढ़ मेरी कर्मभूमि:पंजाब-हरियाणा सरकार कोर्ट की डिमांड को माइंड में रखें; प्रशासक कटारिया ने हेरिटेज को आफत कहा

नई दिल्ली एजेन्सी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (ष्टछ्वढ्ढ) न्यायमूर्ति सूर्यकांत आज शनिवार को चंडीगढ़ पहुंचे। यहां सीजेआई ने सेक्टर-43 स्थित जिला अदालत परिसर में करीब 40 करोड़ रुपए की लागत से तैयार मल्टीलेवल पार्किंग का उद्घाटन किया। इससे आने वाले वकीलों और आम लोगों को पार्किंग की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- मैंने कटारिया जी को कहा था कि मैं आम भाषा में बात करूंगा। कटारिया जी ने अपने भाषण में कहा कि मैं हिसार में पैदा हुआ लेकिन प्रैक्टिस में मैंने यहां की। ये स्वाभाविक है कि मेरे लिए आपके बीच शामिल होना औपचारिक कर्तव्य ही नहीं है बल्कि मेरे लिए पर्सनल मोमेंट है। दिल से जुड़ी बात है। हिसार शायद मेरी जन्मभूमि तो है लेकिन चंडीगढ़ मेरी कर्मभूमि रही है। मेरा संघर्ष का जीवन इसी शहर, इन्हीं गलियों और इन्हीं हवाओं में हुआ। जो कुछ मेरे पास है, वह आप सबकी सपोर्ट, गाइडेंस और मेंटोरशिप का परिणाम है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- इन्फ्रास्ट्रक्चर किसी भी शहर की रीढ़ की हड्?डी है। बेसिक सुविधाएं न हों तो वह शहर आगे कैसे बढ़े, यही मुश्किल हो जाता है। उन्होंने पंजाब-हरियाणा सरकार के लिए भी संदेश जारी कर कहा कि उन्हें कोर्ट की डिमांड को माइंड में रखनी चाहिए।

वहीं, चंडीगढ़ के प्रशासक व पंजाब के गवर्नर गुलाब चंद कटारिया ने कहा- हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि हरियाणा के हिसार जिले के एक छोटे से गांव से निकलकर एक व्यक्ति देश के सबसे बड़े पद तक पहुंचा और आज हमारी धरती पर आए हैं।

गवर्नर ने कहा कि हेरिटेज हमारे लिए इतनी बड़ी आफत है कि कोर्ट के अंदर एक बरामदा भी बनाना हो तो ऊपर से नीचे चक्कर काटकर हमें यह बनवाना पड़ता है।

CJI की अहम बातें...

विकास के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाना जरूरी: सीजेआई ने कहा कि देश की आबादी और आर्थिक विकास तेजी से बढ़ा है, इसलिए डेमोक्रेसी और कानून के साथ मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर भी जरूरी है।उन्होंने कहा कि अगर विकास के अनुरूप सुविधाएं नहीं बढ़ीं तो शहरीकरण का मॉडल भविष्य में कोलेप्स हो जाएगा।

हाईकोर्ट और कोर्ट परिसरों में सुविधाएं बढ़ें: मैंने यहां पर वकील के तौर पर 18-19 साल प्रैक्टिस की है। यहां के वकीलों के आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी है। यहां कोई महंगी गाड़ी आई तो सबसे पहले वकील ही खरीदेंगे। मैंने सभी जिला कोर्ट और हाईकोर्ट में इस बात को लेकर अपील की है कि यहां कोई भी आए, उसे बेसिक सुविधाएं मिलें, जैसे अस्पतालों में मिलती हैं।

मल्टीलेवल पार्किंग समय की जरूरत: जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अस्पताल, स्कूल जैसे पब्लिक प्लेसों पर मल्टीलेवल पार्किंग की जरूरत है। हर शहर को इस बारे में सोचना पड़ेगा। गाड़ियां जिस स्पीड से बढ़ रहीं, उस हिसाब से हमारा इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं बढ़ रहा। इसके बारे में सोचना पड़ेगा।

हाईकोर्ट में भी पार्किंग की दिक्कत: जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हाईकोर्ट में भी पार्किंग की दिक्कत है। मैं प्रशासक कटारिया से अपील करूंगा कि वह इसके बारे में भी सोचें कि कैसे हाईकोर्ट को एक्सपेंड किया जाए और वकीलों और लोगों को पार्किंग की सुविधा दी जाए। वहां जगह है या फिर कोई वैकल्पिक इंतजाम दिया जा सके।

वकील भी न्याय व्यवस्था की अहम कड़ी: जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जस्टिस डिलीवरी सिस्टम में सिर्फ जज ही महत्वपूर्ण नहीं हैं बल्कि वकील भी अहम हिस्सा हैं। वकीलों के न्याय दिलाने में अहम भूमिका को देखते हुए उन्हें बेसिक सुविधाएं देना बहुत अहम हो जाता है।

विधिक माप विज्ञान विभाग की सीएनजी पंपों पर औचक कार्यवाही

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। खाद्य, नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार विधिक माप विज्ञान विभाग द्वारा विधिक माप विज्ञान अधिनियम-2009 तथा राजस्थान विधिक माप विज्ञान (प्रवर्तन) नियम-2011 के तहत जिले में सीएनजी पंपों पर लगातार सघन कार्यवाहियां की गईं।

विधिक माप विज्ञान अधिकारी दीपक पूनिया ने बताया कि इस दौरान विजय मोटर कंपनी जयपुर रोड, गैसोनेट एससीआरटी बीछवाल इंडस्ट्रियल एरिया, मास फाइनेंस पेट्रोलियम बदरासर, कृष्णा एंड कंपनी नोखा पर औचक निरीक्षण अभियान संचालित किया गया। अभियान के लिए गठित विभागीय जांच दल द्वारा श्री दीपक पूनिया के नेतृत्व में 5 सीएनजी पंपों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी पंप सत्यापित पाए गए एवं सभी पंपों पर सीएनजी का माप सही पाया गया।

सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) एक अत्यंत ज्वलनशील गैस होती है। सभी पंपों पर सुरक्षा प्रोटोकॉल मानकों के अनुरूप पाए गए। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में मंत्री सुमित गोदारा के आदेशानुसार विधिक माप विज्ञान विभाग की नियमित जांच जारी रहेगी। इस दौरान दोषी पाए जाने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पूनिया ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा करना तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करवाना है।

भुट्टों के बास से 13 ग्राम एमडी के साथ तस्कर गिरफ्तार, आईपीएस अनुषा कालिया के नेतृत्व में कार्रवाई

(खबर आस पास)

बीकानेर: जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत पुलिस ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। नशा तस्करी के लिए बदनाम भुट्टों के बास इलाके से पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एमडी बरामद की है। सदर थाना पुलिस ने आरोपी मुस्तफा उर्फ भाई खान को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान उसके पास से 13 ग्राम एमडीएम यानी एमडी बरामद हुई। सदर थानाधिकारी सुरेंद्र पचार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। एसपी मृदुल कच्छावा द्वारा जिले में नशे के खिलाफ 'ऑपरेशन नीलकंठ' चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत एएसपी चक्रवर्ती सिंह राठौड़ के निर्देशन में सदर सीओ आईपीएस अनुषा कालिया और थानाधिकारी सुरेंद्र पचार की टीम ने यह दबिश दी और तस्कर को दबोचा। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि नशे की सप्लाई चेन और जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके।

चोखी ढाणी में आमजन की सेहत से खिलवाड़

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की टीम ने मैसर्स चोखी ढाणी पर की जांच

(खबर आस पास)

जयपुर श्रेयांस बैद।चोखी ढाणी में आमजन की सेहत से खिलवाड़ हो रहा है 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान से जुड़ी खबर पर

जयपुर द्वितीय की टीम ने मैसर्स चोखी ढाणी पर जांच की, जहां अनसेफ श्रेणी के तेल में खाद्य सामग्री बनती मिली खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त डॉ.टी शुभमंगला ने जानकारी दी उन्होंने बताया कि टीम ने मैसर्स चोखी ढाणी पर निरीक्षण किया जहां किचन में जिस खाद्य तेल में आलू फ्राई किए जा रहे थे उसका टीपीसी (टोटल पोलर कम्पाउंड) 31 प्रतिशत पाया गया जबकि निर्धारित अधिकतम सीमा 25 %है, ऐसे अधिक अनसेफ श्रेणी में आता है उन्होंने बताया कि यूज्ड रिफाइंड सोयाबीन तेल का नमूना लिया गया जिसकी जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई होगी ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ.मनीष मित्तल ने जानकारी दी उन्होंने बताया कि टीम को चोखी ढाणी के निरीक्षण में अनेक अनियमितताएं मिली सब्जी तैयार करने में उपयोग किए जा रहे काजू टुकड़ी की क्वालिटी भी घटिया पाई गई जिसकी पैकिंग पर मैन्युफैक्चरिंग एवं एक्सपायरी दिनांक अंकित नहीं थी जिसका नमूना लेकर शेष 9 डिब्बे लगभग 90 किलो काजू टुकड़ी को सीज किया गया।

साथ ही मौके से उपयोग में लिए जा रहे मावा का भी एक नमूना लिया गया उन्होंने बताया-'सभी नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है लेबल पर भ्रामक प्रचार सबंधी उल्लंघनों के संबंध में अधिनियम के प्रावधानों के तहत आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के तहत मुख्य चिकित्सा अधिकारी जयपुर द्वितीय की टीम ने मैसर्स चोखी ढाणी पर जांच की 181 पोर्टल पर शिकायत दर्ज होने के चलते टीम ने कार्रवाई की निरीक्षण के दौरान मिली अनेक अनियमितताएं पाई गई। जिसके चलते 90 किलो काजू टुकड़ी को सीज किया उपयोग में लिए जा रहे खाद्य तेल का TPC निर्धारित सीमा से अधिक पाया गया।

दक्षिण मुंबई में चातुर्मासिक मंगल प्रवेश एवं भव्य स्वागत समारोह संपन्न

(खबर आस पास)

मुंबई। महाप्रज्ञ पब्लिक स्कूल में चातुर्मासार्थ युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की प्रबुद्ध सुशिष्या शासन श्री साध्वीश्री कंचनप्रभाजी एवं सहवर्ती शासन श्री साध्वीश्री मंजुरेखाजी आदि ठाणा-5 का भव्य एवं विशाल रैली के साथ मंगल प्रवेश हुआ। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने जयघोष के साथ साध्वीवृंद का भावभीना स्वागत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुआ, जिसके पश्चात तेरापंथ महिला मंडल द्वारा स्वागत गीत की सुंदर प्रस्तुति दी गई।

अपने मंगल उद्बोधन में शासन श्री साध्वी श्री कंचनप्रभाजी ने कहा कि आज विभिन्न नगरों से समागत श्रावक-श्राविकाओं में जो श्रद्धा, उत्साह एवं धर्म के प्रति समर्पण का भाव दिखाई दे रहा है, वह परम पूज्य आचार्य प्रवर के आशीर्वाद एवं तेरापंथ धर्मसंघ की गौरवशाली परंपरा का परिणाम है। उन्होंने सभी से चातुर्मास में रात्रि भोजन त्याग, सचित्त एवं जमीकंद का परित्याग तथा तेला, अठाई, मासखमण आदि तपस्याओं एवं धर्माराधना को उत्साहपूर्वक अपनाने का आह्वान किया। शासन श्री साध्वी श्री मंजुरेखाजी ने अपने संबोधन में कहा कि तेरापंथी सभा, तेरापंथ युवक परिषद एवं महिला मंडल के पदाधिकारियों में संघ सेवा के प्रति जो उत्साह, समर्पण एवं कार्यभावना दिखाई देती है, वही तेरापंथ धर्मसंघ की वास्तविक शक्ति और गौरव है। उन्होंने सभी को चातुर्मास को आत्मविकास एवं आध्यात्मिक साधना का श्रेष्ठ अवसर बनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर साध्वी मंजुरेखाजी, साध्वी उदितप्रभाजी, साध्वी निर्भयप्रभाजी एवं साध्वी चेलनाश्रीजी ने प्रेरणादायी गीतों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

स्वागत भाषण के क्रम में फाउंडेशन के अध्यक्ष कुंदनमल धाकड़, तेरापंथ सभा दक्षिण मुंबई के अध्यक्ष देवेंद्र डागलिया, तेरापंथ युवक परिषद दक्षिण मुंबई के अध्यक्ष सुमित सुराणा, मंत्री श्रेयांस मुनोत, पंच मंडल सदस्य किशनलाल डागलिया तथा तेरापंथ महिला मंडल दक्षिण मुंबई की अध्यक्षा लतिका डागलिया ने अपने स्वागत उद्गार व्यक्त किए।

इस अवसर पर श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा मुंबई के अध्यक्ष सुरेंद्र कोठारी, भारत जैन महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ख्यालीलाल तातेड, अणुव्रत विश्व भारती से रोशन मेहता, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के सहमंत्री अंकुर लुनिया एवं जोनल कॉर्डिनेटर कमलेश भंसाली ने अपने भाव व्यक्त किए तथा अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

घाटकोपर सभा के अध्यक्ष शांतिलाल कोठारी, महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू बडाला, एवं दक्षिण मुंबई से दिनेश धाकड़, रौनक धाकड़ सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में कन्या मंडल द्वारा प्रस्तुत प्रेरणादायी नाटिका ने सभी को सामाजिक एवं आध्यात्मिक संदेश दिया। ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं ने अभिभावकों से अपने बच्चों को ज्ञानशाला से जोड़ने का आग्रह किया। मालचंद भंसाली ने आगामी सम्यक दर्शन कार्यशाला की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावी संचालन राहुल मेहता ने किया तथा अंत में मिखिल डागलिया ने सभी अतिथियों, साध्वीवृंद एवं उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी नितेश धाकड़ एवं दर्शन डागलिया ने दी।

संक्रांति महोत्सव पर धर्मसभा, साध्वियों ने बताया चातुर्मास का आध्यात्मिक महत्व

चातुर्मास में धर्म आराधना का अवसर न गंवाएं : साध्वी प्रीतिरत्ना, साध्वी प्रीतिसुधा तथा साध्वी प्रीतियशा महाराज सा

बीकानेर श्रेयांस बैद (खबर आस पास)। जब केसरी आचार्य विजय वल्लभसूरीजी समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति पद्मश्री शांतिदूत आचार्य भगवंत श्रीमद् विजय नित्यानंद सुरिश्वरजी की आज्ञानुवर्तिनी साध्वी रंजनश्री एवं साध्वी प्रमोदश्री महाराज सा की सुशिष्याएं साध्वी प्रीतिरत्ना, साध्वी प्रीतिसुधा तथा साध्वी प्रीतियशा महाराज सा के सान्निध्य में शुक्रवार को रंगड़ी चौक स्थित तपागच्छीय पौषधशाला में सूर्य संक्रांति महोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। प्रातः आयोजित धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहीं।

धार्मिक प्रवचन में साध्वियों ने सूर्य संक्रांति के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सूर्य के कर्क राशि में प्रवेश के साथ दक्षिणायन का प्रारंभ होता है, जिसे आत्मचिंतन, संयम और आराधना का विशेष काल माना गया है। उन्होंने कहा कि 25 जुलाई से प्रारंभ होने वाला चातुर्मास जैन धर्म में साधना का सर्वाधिक महत्वपूर्ण समय है। वर्ष के बारह महीनों में ये चार महीने आत्मकल्याण, तप, स्वाध्याय, गुरु भक्ति और धर्म आराधना के लिए विशेष अवसर प्रदान करते हैं। यदि श्रद्धालु इन चार महीनों का सदुपयोग नहीं करते, तो वर्षभर की आध्यात्मिक साधना अधूरी रह जाती है। इसलिए प्रत्येक श्रावक-श्राविका को गुरु आज्ञा के अनुरूप धर्म, तप, त्याग और सेवा के कार्यों में मन, वचन और कर्म से जुड़ना चाहिए।

आत्मानंद जैन सभा चातुर्मासिक समिति के अजय बैद ने बताया कि संक्रांति महोत्सव के अवसर पर वीर मंडल, सौम्या मंडल एवं आराधना महिला मंडल के साथ महेंद्र कोचर, पिंटू स्वामी ने गुरु भजन की भक्तिमय प्रस्तुतियां दीं। गुरु भक्ति से ओतप्रोत भजनों ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक उल्लास से भर दिया। इस अवसर पर समिति के शांतिलाल सेठिया का सुरेंद्र बधाणी, अशोक कोचर एवं सुरेश बैद ने बहुमान किया तथा नीलू सेठिया का बहुमान कुसुम बधानी , विनोद देवी, प्रभा देवी व भंसाली परिवार ने किया ।

कार्यक्रम में आत्मानंद जैन सभा की चातुर्मासिक समिति के शांतिलाल सेठिया, नीलम सिपानी, सुरेंद्र बधाणी, अजय बैद, शांतिलाल हनु कोचर, संजय कोचर, राजेंद्र कोचर, कुसुम बधाणी, नीलू सेठिया, प्रभा देवी कोचर, विनोद देवी कोचर सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात माणकचंद, शांतिलाल एवं अजय सेठी परिवार की ओर से सूरज भवन में साधर्मिक वात्सल्य का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में साधर्मिक शामिल हुए।

सूर्य संक्रांति महोत्सव पर पूज्य साध्वी प्रीतिरत्ना, साध्वी प्रीतिसुधा तथा साध्वी प्रीतियशा महाराज सा के द्वारा आज के प्रवचन :

जब किसी भवितव्य तीर्थंकर आत्मा का देवलोक से च्यवन होता है और वह अपनी माता की पवित्र कुक्षि में अवतरित होती है, तब माता शुभ स्वप्नों का दर्शन करती है। ये शुभ स्वप्न महापुरुष के आगमन का संकेत होते हैं। भगवान का जन्म होते ही देवेन्द्र का सिंहासन कम्पायमान हो उठता है। इन्द्रादि देवगण पृथ्वी पर अवतरित होकर भगवान को सुमेरु पर्वत पर ले जाते हैं और वहाँ उनका दिव्य जन्माभिषेक करते हैं।

कालक्रम में भगवान राजवैभव, राज्यसत्ता और समस्त सांसारिक ऐश्वर्य के बीच रहते हुए भी उनसे पूर्णतः विरक्त हो जाते हैं। लोकान्तिक देव आकर भगवान से संयम धारण करने की विनती करते हैं। तब भगवान संसार का परित्याग कर संयम साम्राज्य को स्वीकार करते हैं।

संयम ग्रहण करने के बाद भगवान बाईस परीषहों (22 परीषह) को समभाव से सहन करते हैं। जैन धर्म का यह अटल सिद्धांत है कि जो साधक परीषहों को समता से सहन करता है, धर्म की महाशक्ति उसे अवश्य फल प्रदान करती है। भगवान ने तप, त्याग और सहनशीलता की चरम साधना की और अंततः उन्हें केवलज्ञान की प्राप्ति हुई। समस्त घातिया कर्म क्षीण हो गए। देव, मनुष्य और अन्य जीव उनके समवसरण में उपस्थित हुए। वहाँ भगवान ने समस्त जीवों के कल्याण के लिए दिव्य देशना प्रदान की।

भगवान की देशना में धर्म के दो प्रमुख मार्ग बताए गए—साधु धर्म और श्रावक धर्म। साधु के लिए महाव्रत, कठोर संयम, तप और उत्कृष्ट आचार-विचार का विधान किया गया, जबकि गृहस्थ श्रावकों के लिए अणुव्रत, गुणव्रत, शिक्षाव्रत तथा मर्यादित जीवन-पद्धति का मार्ग बताया गया।

भगवान ने साधु-साध्वियों के विहार के भी नियम निर्धारित किए। वर्षा ऋतु को छोड़कर साधु-साध्वियाँ निरंतर विहार करते हुए धर्म का प्रचार-प्रसार करें तथा चातुर्मास के चार महीनों में एक ही स्थान पर निवास करें, जिससे अधिक से अधिक जीवों का कल्याण हो सके और धर्म की प्रभावना निरंतर होती रहे।

31 साल बाद फिर गूंजी हाजिरी, पुराने दिन हुए याद

जैन कॉलेज में बैचमेट्स का मिलन, वृक्षारोपण और गुरु सम्मान समारोह

(खबर आस पास)

बीकानेर (मुकेश रामावत): श्री जैन पी.जी. महाविद्यालय में शनिवार का दिन पुरानी यादों के नाम रहा। 72वें स्थापना वर्ष और 1992-95 बैच के 31 वर्ष पूरे होने पर 'आओ फिर से कॉलेज चलें' अभियान के तहत पूर्व छात्र मिलन, वृक्षारोपण और गुरु सम्मान का भव्य आयोजन हुआ।

नीम के पौधे लगाकर लिया संरक्षण का संकल्प

कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय परिसर में नीम के पौधों के वृक्षारोपण से हुई। पूर्व विद्यार्थियों, शिक्षकों और अतिथियों ने मिलकर पौधे लगाए। सभी पौधों को पूर्व छात्रों द्वारा 'गोद' लिया गया और उनके नियमित देखभाल का संकल्प लिया गया। आयोजकों का उद्देश्य परिसर को हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाना है।

गुरु ने ली हाजिरी, भावुक हुए छात्र

समारोह का सबसे भावुक पल तब आया जब महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो.सुमेर चन्द जैन ने पुराने अंदाज में एक-एक छात्र का नाम पुकारकर 'हाजिरी' ली।

वर्षों बाद गुरु की आवाज में अपना नाम सुनकर पूर्व छात्र भावुक हो गए और कॉलेज के दिन याद कर लिए। प्रो.जैन ने इस मौके पर शिक्षा, संस्कार, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी पर प्रेरणादायक व्याख्यान भी दिया। कार्यक्रम में प्रो. जैन का माल्यार्पण, शॉल और सम्मान पत्र देकर अभिनंदन किया गया।

सम्मान और संगीत से सराबोर रहा माहौल

1992-95 बैच के समन्वयक सीए विनोद कुमार पारख के नेतृत्व में जैन कॉलेज बैचमेट्स ने श्री जैन पाठशाला सभा और महाविद्यालय का सामूहिक सम्मान किया। मानक चन्द कोचर, किशोर बांठिया, विनोद बाफना, विजय बाफना और संजय जैन सहित कई गणमान्य अतिथि और पूर्व छात्र मौजूद रहे। पूर्व और वर्तमान छात्रों के बीच अंताक्षरी, सेल्फी पॉइंट और पुरानी यादों की गुफ्तगू ने माहौल को और खास बना दिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती राधिका नाहटा ने किया।

सेवा कार्यों की कड़ी में हुआ आयोजन

आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम 'रु.1/- प्रतिदिन सेवा योजना परिवार' और नक्षत्र पब्लिक ट्रस्ट द्वारा चलाए जा रहे सेवा अभियानों का हिस्सा है। इसके तहत पर्यावरण, गौसेवा और जनसेवा से जुड़े कार्य लगातार किए जाते हैं।

कार्यक्रम के अंत में सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। पूर्व छात्रों ने कहा कि 'आओ फिर से कॉलेज चलें' सिर्फ एक मिलन नहीं, बल्कि गुरु सम्मान, मित्रता और संस्थान के प्रति कृतज्ञता का उत्सव है।

बीकानेर केंद्रीय कारागृह में अनुकंपा नियुक्ति के नाम पर फर्जीवाड़ा

(खबर आस पास)

बीकानेर (मुकेश रामावत): केंद्रीय कारागृह बीकानेर में अनुकंपा नियुक्ति को लेकर फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल का मामला सामने आया है। कारागृह प्रशासन की शिकायत पर बीछवाल थानाधिकारी दिग्पाल सिंह के निर्देश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्या है मामला

कारागृह के सहायक प्रशासनिक अधिकारी सुरेश कुमार जोशी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि कारागृह के एक दिवंगत कर्मचारी की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी ने अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त करने के लिए कथित रूप से कूटरचित यानी फर्जी दस्तावेज पेश किए। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इन फर्जी कागजों के आधार पर नियुक्ति प्रक्रिया में लाभ लेने की कोशिश की गई।

थानाधिकारी दिग्पाल सिंह के निर्देश पर कार्रवाई

शिकायत मिलने के बाद थानाधिकारी दिग्पाल सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित महिला के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कराया है। उन्होंने जांच की जिम्मेदारी एएसआई राजकुमार को सौंपी है। पुलिस अब प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों की सत्यता और पूरे प्रकरण की बारीकी से जांच कर रही है। थानाधिकारी दिग्पाल सिंह ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर नियमानुसार अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

साहित्यिक सम्मान समारोह: डॉ.मेघना शर्मा, कमल रंगा और शफीक अहमद वारसी को मिलेगा स्वर श्रृंगार साहित्य सम्मान

(खबर आस पास)

बीकानेर (मुकेश रामावत): हिंदी, राजस्थानी और उर्दू साहित्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए तीन साहित्यकारों को रविवार को बीकानेर में सम्मानित किया जाएगा। महाराजा नरेंद्र सिंह ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में डॉ.मेघना शर्मा को हिंदी साहित्य, वरिष्ठ कवि-कथाकार कमल रंगा को राजस्थानी साहित्य और जयपुर के युवा शायर शफीक अहमद वारसी को उर्दू साहित्य में योगदान के लिए स्वर श्रृंगार साहित्य सम्मान से नवाजा जाएगा। स्वर श्रृंगार कला केंद्र समिति के अनुसार सम्मान स्वरूप शॉल, श्रीफल, सम्मान पत्र और माल्यार्पण किया जाएगा। कार्यक्रम भजन गायक स्व.फकीर चंद मोदी की स्मृति में शाम 4.15 बजे शुरू होगा। समिति अध्यक्ष पूनम मोदी, सचिव राजीव मित्तल और समन्वयक कासिम बीकानेरी ने बताया कि समारोह में उर्दू शायर मरहूम बशीर बद्र की याद में राज्य स्तरीय कवि सम्मेलन और मुशायरा भी होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता शायर रमजान राजजामी करेंगे और मुख्य अतिथि समाजसेवी शांतिलाल मोदी होंगे।